पावरग्रिड
POWERGRID

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
POWER GRID CORPORATION OF INDIA LIMITED
(A Government of India Enterprise)

प्रेस विज्ञप्ति

तत्काल उपयोग के लिए

पावरग्रिड ने राजस्थान में दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं का अधिग्रहण किया

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) - विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न सीपीएसयू, ने हाल ही में टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया (टीबीसीबी) में विभिन्न निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सफल बोलीदाता के रूप में उभरने के बाद दो प्रोजेक्ट स्पेशल पर्पस व्हीकल्स (एसपीवी) का अधिग्रहण किया है। यह दोनों एसपीवी, रामगढ़ II ट्रांसमिशन लिमिटेड और ब्यावर दौसा ट्रांसमिशन लिमिटेड क्रमशः राजस्थान में आरईजेड (20 गीगा वॉट) के चरण-III, भाग सी1 और भाग एच से बिजली की निकासी के लिए बनाए जाने वाले ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजना से संबंधित हैं।

रामगढ़ II ट्रांसमिशन लिमिटेड एक ट्रांसमिशन सिस्टम का निर्माण करेगा जिसमें रामगढ़ में एक नए 765/400केवी सब-स्टेशन के साथ ही स्टैटकॉम, 765केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाइन और राजस्थान राज्य में मौजूद एक अन्य सब-स्टेशन भाडला-III में संबंधित बे एक्सटेंशन कार्य शामिल है। सब-स्टेशन और ट्रांसमिशन लाइन तत्वों को 18 महीनों में चालू किया जाना है जबकि स्टैटकॉम को 24 महीनों में चालू किया जाना है। यह परियोजना आईएसटीएस नेटवर्क से जुड़े विभिन्न लाभार्थियों को बिजली वितरण के लिए रामगढ़ परिसर से 2.9 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी को सुगम बनाएगी।

ब्यावर दौसा ट्रांसमिशन लिमिटेड में दौसा के पास एक उपयुक्त स्थान पर एक नए 765/400केवी सब-स्टेशन की स्थापना और राजस्थान राज्य में 400केवी और 765केवी डी /सी ट्रांसमिशन लाइनें और संबंधित बे विस्तार कार्य शामिल हैं। यह ट्रांसमिशन सिस्टम एक अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजना है और इसे 18 महीने में चालू किया जाना है। यह परियोजना फतेहगढ़ - 3 पूलिंग स्टेशन और बेवर उप- केंद्र के माध्यम से फतेहगढ़ कॉम्प्लेक्स से 9.1 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी को सुविधाजनक बनाएगी ताकि उसे आईएसटीएस नेटवर्क से जुड़े लाभार्थियों को आगे प्रेषित किया जा सके।

कुल मिलाकर उपरोक्त दोनों परियोजनाएं राजस्थान राज्य में फैले पारेषण लाइनों के माध्यम से 12 गीगावॉट सौर ऊर्जा के निकासी की सुविधा प्रदान करेंगी। पावरग्रिड, टैरिफ बिडिंग के माध्यम से अधिग्रहीत किए गए विभिन्न प्रोजेक्ट एसपीवी के माध्यम से राजस्थान राज्य में निर्माण, स्वामित्व, प्रचालन और स्थानांतरण (BOOT) के आधार पर विभिन्न पारेषण परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। ये ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजनाएं राष्ट्रीय ग्रिड में हरित ऊर्जा को पहुंचाने के लिए आवश्यक ट्रांसमिशन अवसंरचना को सुदृढ़ बढ़ाएंगी, जिससे भारत सरकार के वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने के दृष्टिकोण के अनुरूप, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने में मदद मिलेगी।

30 नवंबर 2023 तक, पावरग्रिड द्वारा 275 उप-केन्द्रों, 1,76,343 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों और 514,701 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता का प्रचालन किया जा रहा है। नवीनतम उपकरणों और तकनीकों को अपनाने, स्वचालन और डिजिटल समाधानों के उन्नत उपयोग के साथ, पावरग्रिड औसत ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता 99.8% से अधिक बनाए रखने में सक्षम रहा है।

जारीकर्ता:
टीम कॉर्पोरेट संचार
हमें ट्विटर पर फ़ॉलो करें: @pgcilindia
www.powergrid.in
ई-मेल: powergrid.pr@powergrid.in